मेरे बाबा तेरी रहमत | By Sunil Kumar Sharma

मेरे बाबा तेरी रहमत तो
दिन रात बरसती रहती है
पर ना जाने क्यूँ ये अँखियाँ
दिन रात तरसती रहती हैं
ओ मेरे बाबा, ओ मेरे बाबा
बाबा बाबा, ओ मेरे बाबा

मैं जब भी खाटू आता हूँ
तुझे खूब निहार के जाता हूँ
पर घर आने पर क्यूँ बाबा
मेरी आँखें भीगी रहती हैं

लाखों को तुमने तारा है
तेरा दास क्यूँ गम का मारा है
मेरी भी सुनलो बाबा तुम
ये बात जुबां पर रहती है

इस दास की अर्ज़ी सुन लो न
तुम लखदातार कहाते हो
लाखों की नहीं दरकार मुझे
तेरी कृपा की अर्ज़ी रहती है

गलती की माफ़ी देदो ना
ये दास सुनील तो कहता है
बाबा जग की कोई चीज़ नहीं
बस तुझपे नज़र ये रहती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%a4-by-sunil-kumar-sharma/